SC

SEAT No._____

No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

[71]

M.A. (1st - Semester) Examination (NC)

Wednesday, 28 March– 2018

10:00 A.M. To 01:00 P.M.

PA01CHIN21 – Hindi

(भक्ति काव्य)

कुल गुण : 70

प्रश्न- 1. किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या दीजिए। (18)

(क) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार ।।
रामनाम के पटतरे देबे कौ कुछ नांहि।
क्या ले गुरु संतोषिये, हौंस रही मन मांहि ।।

(ख) " आयो घोष बड़ौ व्यापारी।
लादि खेप गुन-ज्ञान जोग की ब्रज में आन उतारी ।।
फाटक दे कर हाटक माँगत भौंरै निपट सुधारी।
धूरं ही ते खायो है लये फिरत सिर भारी ।।
इनके कहे कौन डहकावे ऐसी कौन अजानी ?
अपना दूध छांडि को पीवै खार कूप को पानी ।।
ऊधो जाहू सबार यहाँ ते बेगि गहरु अनि लावौ।
मुहँ माँग्यो यै हो सूरज प्रभू साहूहि आनि दिखावो ।।"

(ग) जो पै पीउ जरत अस पावा। जरत मरत मोहि रोष न आवा ।।
राती दिवस बस यह जिउ मोरे। लगौं निहोर फंत अब तोरे ।।
यह तन जारौं छार कै, कहों कि ' पवन ! उड़ाव '।
मकु तेहि मारग उडि परै, कंत धरै जहँ पाँव ।।

(घ) जौं केवल पितु आपसु ताता। तौ जनि जाहु जानि बडि माता ।।
जौं पितु मातु कहेउ बन जाना। तो कानन सत अवध समाना ।।
पितु बनदेत मातु बनदेनी। खग मृग चरन सरोरुह सेवी ।।
अंतहुँ उचित नृपहिं बनवासू। बय बिलोकि हियँ होई हरासू ।।

प्रश्न- 2. कबीरदास की गुरु भक्ति पर अपने विचार व्यक्त करें। (17)

अथवा

सूरदास के भ्रमरगीत की विशेषता बताइए।

(P.T.O.)

प्रश्न- 3. कवितावली काव्यरूप स्पष्ट कीजिए। (17)

अथवा

जायसी कृत गोरा बादल खंड की काव्यगत विशेषता समजाइए।

प्रश्न- 4. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखे। (18)

(1) कबीर की उलटबाँसियाँ।
(2) सूरदास की गोपियाँ।
(3) कवितावली के राम।
(4) जायसी की भाषा।

— X —